(d) There is no bar on any private manufacturer to produce the items from the product range of Telecom. Factories. Generally the requirement -in excess of the production capacity of Telecom. Factories: is procured from outside sources.

(e) The major products of Telecom Factories compete favourably with throse of private suppliers in respect of cost as well as quality.

Changes in the Telecom policy

908. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of COM MUNICATIONS foe pleased to state:

(a) whether Government propose to bring azout amendments in the National Telecom Policy;

(b) if so, whether the telecom offences, are increasing rapidly without any proper check; and

(c) if so, to what extent the chan ges in the telecom policy are going to check telecom offences?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) No, Sir.

(b) and (c) There has been rapid increase in the complaints of diversion of telephones by unscruplous persons in connviance with the telecom officials for illegal STD/ISD purposes. As a preventive measure surprise inspections by Vigilance Staff of the Department have been streng. thened at sensitive points in the network. 4 special Cell of CBI will be set up shortly at the 4 metropolitan cities to coordinate with the Department officials in effectively checking the malpractice. It is proposed to amend the Indian Telegraph Act, 1885 to effectively deal with the persons involves in diversion of telephones or those taking advantage of such diversion of those abetting or inducing such diversion. Deterrent penalties are being proposed against such persons. The Bill for this purpose has already been introduced in the Lok Sabha on 10.8.93. If is expected that the proposed legislation will enable the Department to effectively deal with and contain the malpractice of diversion of telephones for illegal purposes.

Euroissue of Videsh Sanchar Nigam Limited

909. SHRI G. Y. KRISHNAN:
SHRI O. P. KOHLI;

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are dithering on the decision to relaunch the £ 1 billion Euroissuea of Videsh Sanchar Nigam Ltd. (VSNL) and the loss per day to the VSNL is estimated to be Rs. 1 crore;

(b if so, what is Government's present thinking to go to the international market again at the earliest; and

(c) how far the non-mobilisation of funds is impairing the programmes of the VSNL and also the growth of telecommunication sector?

THE MINISTER OF STATE[1] OP THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) No, Sir. The report of estimated loss of Rs. 1 crore per day is without any basis.

(b) No final decision has yet been taken regarding relaunch of the deferred VSNL issue.

(c) Deferment has not impaired the programmes of VSNL and the telecommunication sector.

टेलेक्स मशीनों पर देवनागरी का प्रयोग

910. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दूरसंचार विभाग में टेलेक्स मशीनों पर देवनागरी के प्रयोग की सुविधा उपलब्ध है;

(ख) यदि हां, तो देश में कितने व्यक्तियों द्वारा इस सुविधा का लाभ उठाया जा रहा है;

(ग) क्या टेलेक्स पर हिन्दी की सुविधा के लिए अनेक आवेदन सरकार के पास लम्बित पड़े हैं; और

(घ) यदि हां, तो इनकी संख्या कितनी है तथा सरकार द्वारा उन्हें हिन्दी टेलेक्स सुविधा प्रदान कराए जाने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी हां।

(ख) द्विभाषी टेलीप्रिंटर मशीनें फील्ड में उसी स्थानों पर उपलब्ध है जहां पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है जहां पर इन मशीनों की व्यवस्था करने की अभी अपेक्षित नहीं है। ऐसे व्यक्ति जो अपने संचार संपर्क के लिए देवनागरी मशीनों का इस्तेमाल करना चाहते हैं, वहां ही वे मांग करेंगे उन्हें द्विभाषी टेलीप्रिंटर मशीनें प्रदान की जा सकती हैं।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता

जारी डाक टिकट जारी करना

912. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्ष 1994 में जारी किए जाने वाली डाक-टिकटों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा इसे अंतिम रूप दिए जाने की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या जारी किए जाने वाले नए डाक टिकटों की सूची को अंतिम रूप देते समय महात्मा गांधी की 125वीं जयन्ती और विनोबा जी की शताब्दी को ध्यान में रखा गया है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में कोई नया डाक टिकट जारी करने का विचार रखती है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) और (ख) अब तक लिए गए निर्णयों के आधार पर वर्ष 1994 के दौरान जारी किए जाने के लिए मंजूर किए गए विशेष/स्मारक डाक टिकटों का ब्यौरा विवरण–I और विवरण–II में दिया गया है (नीचे देखिए) विभाग में एक फिलैटलिक सलाहकार समिति है जो इससे संबद्ध बातों व मौजूदा मार्गदर्शी सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए ऐसे मामलों में परामर्श देती है।

(ग) गांधी जी की 125वीं जयन्ती पर जारी की जाने वाली टिकट को भी जारी की जाने वाली नई डाक टिकटों की सूची में शामिल कर लिया गया है। जो नई डाक टिकटें जारी की जानी हैं उनकी सूची में विनोबा जी की जन्मशताब्दी पर डाक टिकट जारी करना शामिल नहीं है।

(घ) 2 अक्तूबर को गांधी जी पर दो टिकटों का सेट जारी करने का प्रस्ताव है।

विवरण–I

वे विशेष/स्मारक डाक टिकटें जो 1994 में पहले ही जारी हो चुकी हैं।

क्र.सं.	जारी करने की तारीख	ब्यौरा
1.	01.01.1994	एस. एन. बोस
2.	11.01.1994	सत्यजीत राय